सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 351 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 28 जनवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

सबसे बड़ी बीमारी कुष्ठ रोग या तपेदिक नहीं है, बल्कि अवांछित होना ही सबसे बड़ी बीमारी है।

-मदर टेरेसा

राहुल का ऐलान, पंजाब में कांग्रेस... 7 | सियासी दलों की डिजिटल फौज... 3 | हम मुद्दों पर लड़ रहे चुनाव... 2

राकेश टिकैत ने लगाये गंभीर आरोप, कहा

पंद्रह हजार वोट के साथ सत्तापक्ष के प्रत्याशी की मतगणना शुरू करेंगे अफसर

» हमारी लड़ाई सरकार के खिलाफ है किसी पार्टी के नहीं, गलत नीतियों का करते रहेंगे विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जैसे-जैसे विधान सभा चुनाव के मतदान की तारीख करीब आती जा रही है प्रदेश का सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। सियासी दल जनता को लुभाने में जुटे हैं। घोषणाएं और वादे किए जा रहे हैं। इसी बीच किसान नेता राकेश टिकैत ने यूपी के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लखनऊ पहुंचे राकेश टिकैत ने चुनाव आयोग के निष्पक्ष चुनाव कराने के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिले के डीएम और एसएसपी सत्ता पक्ष के प्रत्याशियों के लिए 15हजार वोट लेकर आएंगे और मतगणना शुरू करेंगे और विपक्ष की काउंटिंग जीरो से शुरू करेंगे। ऐसे में समझ लीजिए कि चुनाव कैसा होगा।

एक सवाल के जवाब में राकेश टिकैत ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम वाला मॉडल पुराना हो चुका है। यह अब नहीं चलने वाला है। हालांकि वे अपनी कोशिश कर रहे हैं लेकिन इससे उनका ही नुकसान हो रहा है। किसान आंदोलन को सभी पार्टियां भुना रही है, के सवाल पर उन्होंने कहा कि जिस भी पार्टी को भुनाना है, भुना ले। हम यही चाहते हैं कि सभी पार्टियां किसान और गरीबों की बात करें। हमारी लड़ाई सरकार के खिलाफ है किसी पार्टी के खिलाफ नहीं है। भारत सरकार हो या उत्तर प्रदेश सरकार उसकी हर गलत नीतियों का हम विरोध करेंगे। चुनाव आने पर सत्ता पक्ष के लोग गांवों में पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। गांव वाले जब उनसे उनके कामों का हिसाब पूछ रहे हैं तो वे बता नहीं पा रहे हैं। यही वजह है कि उनका विरोध हो रहा है। यह विरोध वहां के बेरोजगार नौजवान कर रहे हैं। वे किसान कर रहे हैं जिनके खेत पशु चर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा किसी भी पार्टी से संबंध नहीं है। हम केवल आंदोलन चलाते हैं। किसान आंदोलन के कारण अब सब पार्टियां किसानों की बात करने लगी हैं।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

जाट किधर जाएंगे नहीं मालूम

कृषि कानूनों के खिलाफ लंबा आंदोलन चला चुके किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि किसान किसके साथ हैं या जाट किधर जाएंगे, यह उन्हें नहीं मालूम है।

» किसान नेता ने आयोग के निष्पक्ष चुनाव कराने के दावों पर उठाए सवाल

» प्रदेश में नहीं चलेगा हिंदू-मुस्लिम कार्ड, सियासी पार्टियां अब कर रहीं किसानों की बात

जो भी सरकार बनेगी उसे आंदोलन से ठीक रखेंगे: टिकैत

भाकियू नेता राकेश टिकैत ने कहा कि सियासी दल जनता का वोट कैसे मिले इस पर काम कर रहे हैं। विकास के लिए सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है। विपक्ष को साथ लेकर पॉलिसी बनानी चाहिए। मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा, मैं आंदोलन वाला व्यक्ति हूं। जो भी सरकार बनेगी उसे आंदोलन से ठीक रखेंगे। किसी भी व्यक्ति और पार्टी से बैर नहीं है।

बसपा ने लखनऊ विधान सभा की नौ सीटों पर उतारे प्रत्याशी

» 53 और उम्मीदवारों के नामों का किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के लिए बसपा ने आज प्रत्याशियों की एक और सूची जारी की है। इस सूची में 53 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई है। इसके साथ ही मायावती ने चौथे चरण की ज्यादातर सीटों पर उम्मीदवारों की लिस्ट फाइनल कर दी। इससे पहले मायावती ने गुरुवार को 59 नए टिकट घोषित किए थे जिसमें दो पुराने प्रत्याशियों को बदल कर दो नए उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है।

सूची में लखनऊ की नौ विधान सभा सीटों पर बसपा ने नामों की घोषणा की है। मलिहाबाद से जगदीश रावत को प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं बक्शी का तालाब से सलाउद्दीन सिद्दीकी, सरोजनीनगर से मोहम्मद जलीस खां, लखनऊ पश्चिम से कायम रजा खान, लखनऊ उत्तरी से मोहम्मद सरवर मलिक, लखनऊ पूर्वी से आशीष कुमार सिन्हा, लखनऊ मध्य से आशीष चंद्रा श्रीवास्तव, लखनऊ कैंट से अनिल पांडेय और मोहनलालगंज से देवेंद्र कुमार सरोज को बसपा ने अपना प्रत्याशी घोषित किया है।

प्रमोशन में आरक्षण पर बोला सुप्रीम कोर्ट

तय मानकों को नहीं किया जा सकता कम

» आरक्षण देने से पहले डेटा एकत्र करने को बाध्य हैं राज्य सरकारें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिए प्रमोशन में आरक्षण की शर्तों को कम करने से इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि राज्य सरकारें अनुसूचित जाति व जनजाति के कर्मचारियों को प्रमोशन में आरक्षण देने से पहले मात्रात्मक डेटा एकत्र करने के लिए बाध्य हैं। प्रतिनिधित्व की अपर्याप्तता के आकलन के अलावा मात्रात्मक डेटा का संग्रह अनिवार्य है। उस डेटा का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। केंद्र यह तय करे कि डेटा का मूल्यांकन तय अवधि में ही हो और यह अवधि क्या होगी यह केंद्र सरकार तय करे।

जस्टिस एल नागेश्वर राव, जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि हमने माना है कि हम प्रतिनिधित्व की अपर्याप्तता को निर्धारित करने के लिए कोई मानदंड निर्धारित नहीं कर सकते। एक निश्चित अवधि के बाद प्रतिनिधित्व की अपर्याप्तता के आकलन के अलावा मात्रात्मक डेटा का संग्रह अनिवार्य है। यह समीक्षा अवधि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि नागराज और जरनैल सिंह मामले में संविधान पीठ के फैसले के बाद शीर्ष अदालत कोई नया पैमाना नहीं बना सकती। इस मामले में कोर्ट अगली सुनवाई 24 फरवरी को करेगा। कोर्ट ने इस मुद्दे को लेकर 26 अक्टूबर, 2021 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

हम मुद्दों पर लड़ रहे चुनाव : संजय सिंह

» आप नेता बोले- यूपी में आप का जनाधार लगातार बढ़ रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी इस बार विधानसभा चुनाव में पूरे जोर से लड़ने जा रही है। आम आदमी पार्टी ने इस बार आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर दिल्ली की तर्ज पर फ्री बिजली देने का वादा किया है। चुनाव के चलते आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि 243 सीटों पर हम अपना उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं। हम खुले तौर पर कह रहे हैं कि हमारा कोई वोट बैंक नहीं है। हमारा वोट बैंक वो हैं जो 300 यूनिट बिजली चाहते हैं, जो बहनों के लिए हर महीने एक हजार रुपए चाहते हैं। संजय सिंह ने आगे कहा कि आज दूसरे दलों को मुद्दों पर बात करने के लिए आम आदमी पार्टी की वजह से मजबूर होना पड़ा रहा है।

आप बीजेपी के वोटर को क्यों नहीं समझ रहे हैं, वो भी आम आदमी पार्टी को वोट देगा। दिल्ली में तीन बार बीजेपी को आम आदमी पार्टी ने हराया, हमें सबका वोट मिलेगा, हमारा कोई वोट बैंक नहीं है। हमारा वोट बैंक मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि सभी दलों के लोग जो मुद्दों पर बात करेंगे उनका वोट आम आदमी को मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि क्या सीएम योगी अयोध्या मंदिर के गेटकीपर हैं। जो लोग राम के नाम पर चंदा चोरी करते हैं ये धर्म नहीं है। जब हम तिरंगा लेकर जब सड़क पर निकलते हैं तो बोलते हैं हिंदू-मुस्लिम, सिख, ईसाई हम सारे हैं भाई-भाई। राम मंदिर के चंदे पर संजय सिंह ने कहा कि मैं चंदा चोरों को चंदा नहीं देता। राष्ट्रवाद का मुद्दा उठाकर नफरत फैलाना गलत है। राष्ट्रवाद का मुद्दा उठाकर भाइचारा मजबूत करना ठीक है।

चुनावी वादा- 10 लाख जॉब, 5 हजार बेरोजगारी भत्ता

आम आदमी पार्टी यूपी महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष व स्टार प्रचारक नीलम यादव ने बताया कि प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कल चुनाव घोषणा पत्र जारी किया है। नीलम यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी का घोषणा पत्र कोई जुमला नहीं है, बल्कि गारंटी पत्र है। आप ने अपने घोषणा पत्र में यूपी चुनाव बाद सरकार बनने पर 10 लाख नौकरियां देने, 5 हजार बेरोजगारी भत्ता और महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार देने का वादा किया है। साथ ही शिक्षा का बजट 25 फीसदी और प्रत्येक साल गन्ना मूल्य बढ़ाने का भी वादा किया है। वहीं आम आदमी पार्टी ने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की भी घोषणा की है। चुनाव जीतने पर किसानों को मुफ्त बिजली देना का वादा किया है।

बीजेपी को देश से माफी मांगनी चाहिए

संजय सिंह ने कहा कि बीजेपी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए कि हमारे देश में पाकिस्तान की आईएसआई ने पठानकोट में आकर जांच की। पीएम मोदी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के बर्थ डे का केक बिना बुलाए काटने पहुंचे। आज बीजेपी सत्ता में है, हमारी लड़ाई उनसे है। जब समाजवादी पार्टी सत्ता में होगी तो लड़ाई उनसे होगा। हिंदू मुस्लमान गलत मुद्दे हैं असली मुद्दा है रोजगार।

उत्तराखंड में आम आदमी पार्टी ने जारी की पांचवीं सूची

देहरादून। उत्तराखंड में आम आदमी पार्टी ने प्रत्याशियों की पांचवीं सूची जारी कर दी है। कल पार्टी ने पांचवीं सूची जारी की। पार्टी ने सुनीता बाजवा को बाजपुर से टिकट दिया है। सूची में कुल छह लोगों का सूची में नाम है। आम आदमी पार्टी प्रभारी दिनेश मोहनिया ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। अब तक पार्टी 67 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर चुकी है। अब तीन सीटों पर प्रत्याशी घोषित करना शेष रह गया है। इससे पहले 25 जनवरी को पार्टी ने 10 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की थी। पार्टी प्रभारी दिनेश मोहनिया ने कहा कि क्षेत्र में आप प्रत्याशी और कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों से जनता को रूबरू करा रहे हैं।

राम गोविंद चौधरी बांसडीह और दारा सिंह घोसी से ठोकेंगे ताल

» सपा ने जारी की 56 प्रत्याशियों की एक और सूची, पांच महिलाओं को भी टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने गुरुवार को 56 प्रत्याशियों एक और सूची जारी की। सपा ने 13 टिकट यादव व 10 टिकट मुस्लिम को दिए हैं। सपा ने इस सूची में कुल 22 टिकट अन्य पिछड़ा वर्ग, आठ अनुसूचित जाति व दो अनुसूचित जनजाति को दिए हैं। इस लिस्ट में दारा सिंह चौहान का भी नाम है। उनको घोसी सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। यूपी सरकार में मंत्री रहे दारा सिंह चौहान हाल ही में भाजपा छोड़ कर सपा में शामिल हो गए थे। पांच महिलाओं को भी टिकट दिया गया है। पूर्वांचल के ज्यादातर पार्टी विधायकों को फिर से उम्मीदवार बनाया गया है।

बसपा से आने वाले रामअचल राजभर को अकबरपुर, लालजी वर्मा को अंबेडकरनगर की कटेहरी से प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा से आए रमाकांत यादव को फूलपुर पवई से उम्मीदवार बनाया गया है। इस सीट से उनके बेटे अरुण कुमार यादव भाजपा से विधायक हैं। सपा अब तक 254 प्रत्याशियों की सूची जारी कर चुकी है। विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष माता प्रसाद पाण्डेय को उनकी सीट सिद्धार्थनगर की इटवा से मैदान में उतारा गया है। अंबेडकरनगर की जलालपुर सीट से राकेश पांडे को उम्मीदवार बनाया गया है। बसपा से सपा में आए गोरखपुर की चिल्लूपार से विधायक विनय शंकर तिवारी को सपा ने इसी सीट से प्रत्याशी बनाया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी को उनकी परंपरागत सीट बलिया की बांसडीह से फिर से मैदान में उतारा गया है। भाजपा से सपा में आए मंत्री दारा सिंह चौहान को मऊ की घोसी से उम्मीदवार बनाया गया है। वे मधुबन से विधायक हैं, किंतु इस बार उन्होंने अपनी सीट बदल ली है।

प्रत्याशियों की सूची

लखीमपुर धौरहरा से वरुन चौधरी, लखीमपुर मोहम्मदी से दाउद अहमद, सवाइजपुर से पदमराज सिंह पम्मू, बालामऊ (सुरक्षित)से रामबली वर्मा, तिलोई से मोहम्मद नईम गुर्जर, बाबागंज (सुरक्षित)से गिरिजेश, चायल से पूजा पाल, फूलपुर से मुर्तजा सिद्दीकी, कुर्सी से राकेश वर्मा, रामनगर से फरीद महफूज किदवई
बाराबंकी, धर्मराज सिंह यादव, दरियाबाद से अरविंद सिंह गोप, गोसाईगंज से अभय सिंह, कटेहरी से लालजी वर्मा, आलापुर (सुरक्षित)से त्रिभुवन दत्त, जलालपुर से राकेश पांडेय, अकबरपुर से रामअचल राजभर, महसी से केके ओझा, गैसड़ी से डा. एसपी यादव, बलरामपुर (सुरक्षित)से जगराम पासवान
कपिलवस्तु (सुरक्षित) से विजय कुमार, इटवा से माता प्रसाद पांडेय, डुमरियागंज से सईदा खातून, कप्तानगंज से अतुल चौधरी, कैंपियरगंज से काजल निषाद
पिपराइच से अमरेंद्र निषाद, गोरखपुर ग्रामीण से विजय बहादुर, सहजनवां से यशपाल रावत, खजनी (सुरक्षित)से रूपवती, बांसगांव (सुरक्षित)से डा. संजय कुमार, चिल्लूपार से विनय तिवारी, पथरदेवा से ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, रामपुर कारखाना से गजाला लारी, भाटपाररानी से आशुतोष उपाध्याय, अतरौलिया से संग्राम सिंह यादव, गोपालपुर से नफीस अहमद, आजमगढ़ से दुर्गा प्रसाद यादव, निजामाबाद से आलमबदी, फूलपुरपवई से रमाकांत यादव, दीदारगंज से कमलाकांत राजभर, लालगंज (सुरक्षित)से बेचई सरोज, घोसी से दारा सिंह चौहान, सिकंदरपुर से जियाउद्दीन रिजवी, फेफना से संग्राम सिंह, बांसडीह से रामगोविंद चौधरी, बदलापुर से बाबा दुबे, शाहगंज से शैलेंद्र यादव ललई, मलहनी से लकी यादव, केराकत (सुरक्षित)से तूफानी सरोज, जंगीपुर से वीरेंद्र यादव, जमानिया से ओम प्रकाश सिंह, सकलडीह से प्रभुनाथ सिंह, भदोही से जाहिद बेग, राबर्टसगंज से अविनाश कुशवाहा, ओबरा से सुनील सिंह गौड़ और दुद्धी (सुरक्षित) से विजय सिंह गौड़ को प्रत्याशी बनाया गया है।

वेस्ट यूपी में छिड़ा साइबर वार

» तरानों के सहारे वोटरों को लुभाने की कोशिशें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वेस्ट यूपी में प्रचार-प्रसार जोरों पर है। मेरठ का किठौर विधानसभा में प्रत्याशियों का प्रचार धरातल के साथ वर्चुअल माध्यम पर भी जोर पकड़ने लगा है। सभी प्रमुख पार्टियों के प्रत्याशी यहां अपने चुनाव को धार दे रहे हैं। उनके समर्थक भी अपने नेता के वीडियो, फोटो और पोस्टर को शेयर कर रहे हैं। जिसमें किठौर विधानसभा सीट से इस बार सपा और रालोद के प्रत्याशी शाहिद मंजूर मैदान में हैं। जबकि भाजपा से सत्यवीर त्यागी ताल ठोक रहे हैं।

बसपा से केपी मावी हैं, तो कांग्रेस से बबीता सिंह गुर्जर मैदान में हैं। फेसबुक,ट्विटर, इंस्टाग्राम पर इसमें से कुछ प्रत्याशी कविताओं, गीतों के माध्यम से तो कुछ प्रत्याशी आल्हा के माध्यम से अपनी बात लोगों तक पहुंचा रहे हैं। भाजपा के प्रत्याशी सत्यवीर त्यागी फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम सभी पर सक्रिय हैं। सभी माध्यमों पर उन्होंने एक तरह के पोस्ट डाले हैं। फेसबुक पेज पर जहां उन्होंने यूपी सरकार के फर्क साफ है के विज्ञापन शेयर किए गए हैं। किठौर की कार्यकारिणी के साथ बैठकों की तस्वीर को भी उन्होंने पोस्ट किया है। ट्विटर पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कविता- आंखों में वैभव के सपने, पग में तूफानों की गति हो- का पोस्ट भी डालकर संदेश देने की कोशिश की है। अपने नामांकन की सूचना भी दी है।

भाजपा विधायक के पिता को सपा ने बनाया प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अक्सर ऐसा कम ही होता है कि किसी चुनाव में पिता-पुत्र के बीच जंग हो, लेकिन वर्ष 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में ऐसा होता दिख रहा है। पूर्वांचल के आजमगढ़ जिले के फूलपुर पवई विधानसभा सीट पर पिता-पुत्र के बीच जंग की संभावना बन रही है। पुत्र अरुणकांत यहां से भाजपा के विधायक है जबकि सपा ने उनके पिता पूर्व सांसद रमाकांत यादव को टिकट देकर यहां के समीकरण को बिगाड़ दिया है।

फूलपुर पवई विधानसभा से पूर्व मुख्यमंत्री रामनरेश यादव विधानसभा में पहुंचे थे। इस बार इस सीट पर बहुत ही दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। क्योंकि इस सीट से राजनीतिक सफर की शुरूआत करने वाले पूर्व सांसद रमाकांत यादव सपा के टिकट पर चुनाव मैदान में होंगे। रमाकांत यादव ने 1985 में इंडियन कांग्रेस (जे) के टिकट पर पहला चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने 1989 में बसपा के टिकट चुनाव जीता। 1991 में रमाकांत यादव एक बार फिर पार्टी बदली और जनता के पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते। 1993 में सपा के टिकट पर जीत हासिल की। एक बार फिर रमाकांत यादव इस सीट पर ताल ठोंकते नजर आए।

बामुलाहिज़ा
कार्टून: हसन ज़ैदी

लालकुआं में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की राह आसान नहीं

» बगावत के साथ भीतरघात का सामना भी करना पड़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हल्द्वानी। पूर्व सीएम हरीश रावत अब लालकुआं सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। देर रात जारी लिस्ट में संशोधन के बाद हरदा की सीट बदल गई। रामनगर में हरदा और कार्यकारी अध्यक्ष रणजीत रावत की आपसी लड़ाई के चक्कर में हाईकमान ने दोनों को इस सीट से दूर कर दिया, जिसके बाद रणजीत को सल्ट और हरीश रावत को चुनाव लड़ने के लिए लालकुआं भेजा गया है। हालांकि लालकुआं में पूर्व सीएम की राह आसान नहीं है।

उन्हें बगावत के साथ भीतरघात का सामना भी करना पड़ सकता है। पूर्व में कांग्रेस ने यहां से संध्या डालाकोटी को टिकट दिया था। टिकट कटने के बाद भावुक हुईं संध्या ने कहा कि पार्टी को बताना होगा कि मेरी गलती क्या है। कांग्रेस की दूसरी लिस्ट में पूर्व सीएम हरीश रावत की सीट का एलान भी हुआ था। पार्टी ने उन्हें रामनगर से मैदान में उतारा। कार्यकारी अध्यक्ष रणजीत रावत लंबे समय से इस सीट पर तैयारी कर रहे थे। ऐसे में रणजीत समर्थक हरदा के विरोध में उतर आए। इंटरनेट मीडिया पर भी खासा विवाद देखने को मिला, जिसके बाद बुधवार रात कांग्रेस की तीसरी और संशोधित सूची जारी हुई, जिसमें हरदा को लालकुआं और रणजीत को सल्ट से उम्मीदवार बनाया गया।

वहीं, लालकुआं में पार्टी ने पहले पूर्व ब्लॉक प्रमुख संध्या डालाकोटी को टिकट दिया था, मगर 48 घंटे के भीतर उनकी उम्मीदवार खत्म कर दी गई। इससे नाराज डालाकोटी समर्थकों ने उनके गौलापार स्थित आवास पर महापंचायत की। इस दौरान संध्या की आंखों से आंसू निकल आए। उन्होंने कहा कि सर्वे रिपोर्ट में स्थिति अच्छी होने के कारण पैनल में नाम गया था। उप्र में पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने लड़की हूं लड़ सकती हूं नारे के साथ 40 प्रतिशत महिला उम्मीदवार खड़े किए। कुमाऊं से सिर्फ दो महिलाओं को ही टिकट मिला। लेकिन तीसरे दिन मुझे बताया गया कि टिकट पर विचार किया जा रहा है। संध्या ने कहा कि मैंने कांग्रेस के लिए संघर्ष किया। अपने परिवार से दूर रही। ऐसे में पार्टी को बताना होगा कि मेरी गलती क्या है? टिकट से पहले सभी कहते थे कि जिसका भी नाम होगा। सब उसका साथ देंगे। मगर एक महिला को टिकट मिलने पर सभी विरोध में खड़े हो गए। संध्या व उनके पति किरन डालाकोटी ने कहा कि समर्थकों संग विचार करने के बाद निर्दलीय चुनाव लड़ने को लेकर कोई फैसला लिया जाएगा।

सियासी दलों की डिजिटल फौज गांवों में बेअसर

रैलियों और रोड शो पर रोक ने बढ़ाई नेताओं की धड़कनें

» इंटरनेट मीडिया से ग्रामीण समुदाय अब भी अछूता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव हो रहे हैं और कोरोना की वजह से न तो रैलियां हो रही हैं और न ही रोड शो के जरिये राजनीतिक दल जनता के बीच शक्ति प्रदर्शन कर पा रहे हैं। लगभग सारा चुनाव प्रचार डिजिटल प्रारूप में सिमट गया है। चुनाव आयोग की पाबंदी के कारण राजनीतिक दल और नेता इंटरनेट मीडिया के विभिन्न मंचों के जरिये जनता के बीच अपनी पैठ बनाने में लगे हैं।

इन्हीं मंचों पर अपनी प्रचार सामग्री को परोसकर पार्टियां चुनाव में अपनी स्थिति को मजबूत करने में जुटी हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार अभी 31 जनवरी तक रैलियों व रोड शो पर रोक हैं, छोटी सभाएं कर सकते हैं। ऐसे में लोकगीतों के रूप में अपने-अपने प्रचार गीत बनवाकर तमाम राजनीतिक दल इंटरनेट मीडिया के मंचों पर उन्हें साझा करके जनता के दिलोदिमाग पर छा जाने को बेताब हैं। इस लड़ाई में आगे निकल जाने की स्पर्धा लगभग सभी दलों में दिखाई दे रही है। समाजवादी व भाजपा में चुनावी गीत का बा, सब बा खूब छाया हुआ है।

मतदान के लिए करते हैं जागरूक

राजनीतिक विशेषज्ञ बताते हैं कि चुनाव आयोग जब बार बार अधिकाधिक मतदान की अपील करता नजर आता है तो उसका केवल यही उद्देश्य होता है कि देश और प्रदेश की सरकारों के गठन में सबका मत निहित हो। जनता की अधिक से अधिक भागीदारी के साथ चुनाव में जो जनादेश निकल कर सामने आता है वह सही मायने में समाज का उचित प्रतिनिधित्व माना जाता है इसीलिए चुनाव के समय विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा अधिक से अधिक मतदान करने के लिए लोगों को जागरूक किया जाता है।

जिनके पास स्मार्टफोन नहीं उनसे कोई मतलब नहीं

वरिष्ठ पत्रकार कमल शर्मा कहते हैं कि जिनके पास स्मार्टफोन नहीं हैं, जो वाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम आदि से अपरिचित हैं, उनके लिए डिजिटल चुनाव प्रचार का कोई मतलब नहीं रह जाता है। ऐसे लोग चुनाव में पार्टियों के नए एजेंडे को नहीं समझ पाते हैं और परंपरागत निष्ठा के आधार पर बिना गुण दोष का आकलन किए उसी पार्टी को वोट कर सकते हैं जिसको वे हमेशा से करते आए हैं।

डिजिटल मंचों के उपयोग से जनादेश हो सकता है प्रभावित

वर्तमान परिवेश में चुनाव प्रचार का प्रमुख माध्यम इंटरनेट मीडिया बन चुका है मगर इसकी पहुंच ग्रामीण आबादी तक अभी नहीं है। ग्रामीण परिवेश से जुड़ा भारत का एक बड़ा हिस्सा इन डिजिटल मंचों के उपयोग से कटा हुआ है। बहुतेरे लोग तो ऐसे हैं जिनके पास मोबाइल फोन नहीं है। एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो इन डिजिटल तकनीक से अनभिज्ञ है और इसके मायने उनके लिए दूर की कौड़ी सरीखा है। लिहाजा ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट मीडिया का कम इस्तेमाल होने से यहां पार्टियों का प्रचार-प्रसार उस अनुपात में नहीं हो पा रहा है जितना शहरी लोगों के मध्य हो पाता है। इससे जनादेश प्रभावित हो सकता है।

जो दल इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय वे चुनाव की लड़ाई में आगे

राजनीतिक लोग बताते हैं कि इंटरनेट मीडिया पर जो दल ज्यादा सक्रिय हैं, वे चुनाव की लड़ाई में आगे हैं, ऐसा मानना चाहिए। दूसरी तरफ बेहतर सोच रखते हुए, अच्छा विजन रखते हुए भी जो पार्टी इंटरनेट मीडिया की जंग में पिछड़ गई, उसे चुनाव में इसका नुकसान उठाने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। इंटरनेट मीडिया के माध्यम से चुनाव प्रचार में अच्छाइयां तो बहुत हैं पर नकारात्मकता भी इसमें शामिल है। पार्टियों के अपने घोषणा पत्र, सरकार बनने पर जनता के लिए उनकी प्राथमिकताएं, उनका विजन क्या है, यह सब जनता को जानना जरूरी है, तभी वह मतदान किसके पक्ष में करे, इसका उचित निर्णय ले सकेगी।

चुनाव से पहले कांग्रेस को लग रहे झटके दूसरे दलों में जा रहे दिग्गज नेता

» इस्तीफे की नहीं थम रही रफ्तार, क्या रास नहीं आ रही प्रियंका की 'राजनीति'

» पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह समेत कई नेताओं ने छोड़ी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर प्रदेश में सियासी वनवास खत्म करने के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पार्टी को मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं वहीं दूसरी ओर प्रदेश में विधान सभा चुनाव का बिगुल बजने के साथ कांग्रेस के नेता लगातार पार्टी छोड़ रहे हैं। इसने प्रदेश में कांग्रेस की बची खुची सियासी जमीन को भी दरका दिया है। ऐसे में यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या कांग्रेस के पुराने नेताओं को प्रियंका गांधी वाड्रा की नई राजनीति पसंद नहीं आ रही है।

कांग्रेसी नेताओं का दावा है कि यूपी कांग्रेस की खो चुके जनाधार को राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा लौटाने का प्रयास कर रही हैं। इसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू की जमीनी स्तर पर की गई कार्रवाई भी सराहनीय है।

ये दे चुके हैं इस्तीफा

पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद से लेकर राजाराम पाल, प्रियंका की सलाहकार समिति के सदस्य विनोद शर्मा, पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक, उनके पूर्व विधायक बेटे पंकज मलिक, पूर्व सांसद सलीम शेरवानी, पूर्व सांसद चौधरी बिरेंदर सिंह एवं सहानरनपुर मंडल में अच्छी खासी पकड़ रखने वाले इमरान मसूद समेत तमाम नेता कांग्रेस छोड़ चुके हैं। इस सूची में कमलापति त्रिपाठी के परिवार के ललितेशपति त्रिपाठी भी शामिल हैं। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का दामन थाम लिया है।

सात में चार विधायक छोड़ चुके हैं साथ

साल 2017 में कांग्रेस के पंजा निशान पर यूपी में सात विधायकों ने जीत हासिल की थी। इनमें से 4 विधायक भी पार्टी छोड़ चुके हैं। इनमें से तीन भाजपा और एक सपा में शामिल हो चुके हैं। खुद सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली से विधायक अदिति सिंह और राकेश सिंह को भाजपा का साथ कांग्रेस से ज्यादा भा गया। उधर, पश्चिमी यूपी से नरेश सैनी भी भाजपा में शामिल हो गए। चौथे विधायक मसूद अख्तर सपा में शामिल हो चुके हैं। जाहिर है, इन नेताओं का टिकट कटने का तो कोई सवाल ही नहीं था। फिर भी वे पार्टी को छोड़कर चले गए।

बावजूद इसके यूपी चुनाव 2022 में जिस तरह से अधिसूचना लागू होने के बाद ताबड़तोड़ इस्तीफे हुए हैं। उससे ऐसा मालूम होता है कि पार्टी से जुड़े पुराने नेता इस नए नेतृत्व से कुछ खुश नहीं हैं। अब चुनाव के पहले इस्तीफों की झड़ी लग गयी है। इसी कड़ी में कांग्रेस का एक बड़ा चेहरा आरपीएन सिंह ने पार्टी छोड़ दी है। आरपीएन सिंह यूपी कांग्रेस के बड़े नेता हैं एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं। संभावना जताई जा रही है कि पार्टी आलाकमान से आरपीएन सिंह किसी बात पर नाराज चल रहे हैं। यही कारण है कि उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया है। हाल में यह भी देखा गया है कि वे यूपी में कांग्रेस के प्रचार कार्यक्रम में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे थे। कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद आरपीएन सिंह ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी। वे भाजपा में विधिवत शामिल हो चुके हैं। माना जा रहा है कि भाजपा उन्हें स्वामी प्रसाद मौर्या के खिलाफ पडरौना सीट से उतार सकती है। वहीं राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस का यूपी में जनाधार यूं ही कम है। प्रियंका गांधी जिस तरह से 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' की थीम पर चुनाव लड़ रही हैं उससे पार्टी भले ही चर्चा में आई है मगर इसमें कोई दो राय नहीं है कि 40 फीसदी महिलाओं को टिकट देने से दूसरे नेताओं को दिक्कत हो रही है। ऐसे में वे पार्टी से किनारा कर रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जहरीली शराब पर कब लगेगी लगाम

उत्तर प्रदेश में जहरीली शराब का धंधा जोरों पर चल रहा है। रायबरेली के पहाड़पुर गांव में देसी शराब के ठेके की शराब पीने से छह लोगों की मौत हो गयी है जबकि कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके पहले इसी जिले के बछरावां में आधा दर्जन लोगों की जहरीली शराब पीने से मौत हो चुकी है। केवल रायबरेली ही नहीं पूरे प्रदेश में इस तरह की घटनाए थोड़े-थोड़े समय के अंतराल में घट रही हैं। सवाल यह है कि सरकारी ठेके पर जहरीली शराब कैसे पहुंच रही है? आबकारी विभाग को इसकी भनक क्यों नहीं लग पा रही है? क्या शराब माफिया और ठेकेदार की मिलीभगत से यह सारा धंधा चल रहा है? शराब माफिया पर शिकंजा कसने में पुलिस और आबकारी विभाग नाकाम क्यों हो रहा है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को अपनी चपेट में ले लिया है? कड़े कानूनों के बावजूद शराब माफियाओं के हौसले बुलंद क्यों है? आखिर इन मौतों का जिम्मेदार कौन है?

पिछले कुछ सालों से जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। रायबरेली में हुई यह घटना इसका ताजा उदाहरण है। जिन लोगों की मौत हुई है उन्होंने देसी शराब के ठेके से इसको खरीदा था। इसके सेवन के बाद एक दर्जन लोगों की तबीयत बिगड़ी और इसमें छह लोगों ने दम तोड़ दिया। इस घटना ने एक बार फिर आबकारी और पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। इससे यह भी साबित हो गया है कि देसी ठेके में बिक रही शराब में मानकों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और उसमें मिलावट की जा रही है। मोटा मुनाफा कमाने के लिए यह सारा खेल शराब माफिया और ठेकेदार मिलकर खेल रहे हैं। यह हाल तब है जब आबकारी विभाग की भारी-भरकम टीम शराब के अवैध क्रय-विक्रय पर नजर रखने और जहरील शराब पर रोक लगाने के लिए तैनात की गयी है। इसमें दो राय नहीं कि यह सारा धंधा बिना आबकारी और पुलिस विभाग की जानकारी के संभव नहीं है। मिलीभगत के ऐसे कई केस सामने आ चुके है लेकिन कुछ कर्मचारियों पर कार्रवाई कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। यही वजह है कि शराब माफियाओं के हौसले बुलंद रहते हैं और वे कानून को ठेंगे पर रख रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि कई गांव में आज भी कच्ची शराब की भट्ठियां बदस्तूर जारी हैं लेकिन अभी तक इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। साफ है यदि सरकार लोगों को जहरीली शराब से बचाना चाहती है तो उसे आबकारी व पुलिस विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा और शराब माफियाओं के खिलाफ सतत अभियान चलाना होगा।

सवाल यह है कि सरकारी ठेके पर जहरीली शराब कैसे पहुंच रही है? आबकारी विभाग को इसकी भनक क्यों नहीं लग पा रही है? क्या शराब माफिया और ठेकेदार की मिलीभगत से यह सारा धंधा चल रहा है? शराब माफिया पर शिकंजा कसने में पुलिस और आबकारी विभाग नाकाम क्यों हो रहा है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को अपनी चपेट में ले लिया है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आशावाद से नये भारत का निर्माण

राम बहादुर राय

हमारे यहां 26 जनवरी, 1950 को गणतंत्र की एक नयी व्यवस्था बनी। हालांकि, हमें आजादी 15 अगस्त, 1947 को ही मिल गयी थी। इससे पहले 26 जनवरी, 1930 को कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज का संकल्प घोषित किया था अगर 26 जनवरी को आजादी मिलती है, तो यह गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस दोनों होता लेकिन ऐसा हो नहीं हो सका, इसलिए 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाने की एक व्यवस्था बनी। सभा की आखिरी बैठक 24 जनवरी, 1950 को हुई. इस दिन तीन बड़े फैसले हुए। पहला, राजेंद्र बाबू ने सुनाया कि जन-गण-मन हमारा राष्ट्रगान होगा। दूसरा फैसला हुआ कि देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र बाबू होंगे। जवाहर लाल नेहरू ने प्रस्ताव रखा और वल्लभभाई पटेल ने समर्थन किया। तीसरा फैसला था कि संविधान की दो प्रतियां एक अंग्रेजी में और एक हिंदी में रखी जाए, उस पर सभी सदस्यों ने हस्ताक्षर किये। ये तीनों महत्वपूर्ण काम 24 जनवरी को आखिरी बैठक में संपन्न हुए। इसके एक दिन बाद 26 जनवरी को पूरे देश में धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया गया। 1950 में हमने पहला गणतंत्र दिवस मनाया।

पहले गणतंत्र दिवस की परेड और वर्तमान में आयोजित हो रही परेड को देखें तो बड़ा परिवर्तन आ चुका है। यह भी एक लोकतांत्रिक देश के शक्ति संपन्न होने का पैमाना है। इस वर्ष सबसे महत्वपूर्ण बात हुई है कि अब गणतंत्र दिवस समारोह चार दिनों का होगा। समारोह की शुरुआत 23 जनवरी से यानी नेता सुभाषचंद्र बोस की जयंती से हुई है। परेड की रिहर्सल 24 जनवरी से शुरू होती रही है। अब गणतंत्र दिवस समारोह 23 जनवरी से शुरू होकर 26 जनवरी तक चलेगा। यह बहुत बड़ी बात है, क्योंकि नेताजी और आजाद हिंद फौज का स्वाधीनता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान है। आजाद हिंद को भले ही अपेक्षित सफलता नहीं मिल पायी, लेकिन उससे देश में जो लहर पैदा हुई, वास्तव में उससे अंग्रेज डर गये। लाल किले में आजाद हिंद फौज के तीन लोगों पर मुकदमा चलाया गया। उस मुकदमे पर पूरे देश की निगाह थी। लोगों में उत्साह था। ऐसा माहौल था कि जैसे मुकदमा नेताजी पर चल रहा हो। भुलाभाई देसाई उस मुकदमे यानी आईएनए के मुख्य वकील थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजाद हिंद फौज के लिए लाल किले में संग्रहालय बनवाया। अभी नेताजी की प्रदर्शनी विक्टोरिया मेमोरियल कोलकाता में चल रही है। इंडिया गेट पर नेताजी की होलोग्राम मूर्ति स्थापित की गयी है। सरकार ने फैसला किया

है कि नेताजी की एक विशालकाय प्रतिमा इंडिया गेट पर लगायी जायेगी। इन कवायदों का उद्देश्य है कि अब हम अपने लोकतांत्रिक गणराज्य में नेताजी के योगदान को शामिल कर रहे हैं। पश्चिमी धारणा थी कि भारत में विविधता इतनी अधिक है कि शायद ही लोकतांत्रिक देश या रिपब्लिक के रूप में भारत बहुत सफल हो पायेगा। दरअसल, विविधता को वे विभिन्नता और विभेद मानते थे जबकि सच्चाई यह है कि विविधता हमारी एकता की ताकत है। उसकी वजह से ही लोकतंत्र चल रहा है और लोकतांत्रिक भावना प्रकट होती है। हमारे गणतंत्र का विचार कोई नया नहीं है। सदियों से हमारे यहां गणतंत्र शासन प्रणाली का एक तरीका रहा है, साधारण से साधारण आदमी की भागीदारी होती रही है। आजादी के बाद किस तरह की शासन प्रणाली हो, जब इस पर बहस हुई, तो ग्राम स्वराज्य की अवधारणा पर जोर दिया गया। गांव आत्मनिर्भर, स्वायत्त हों और वे अपना फैसला स्वयं करें। इस दिशा में 73वें संविधान संशोधन में उल्लेखनीय व्यवस्था तय की गयी। आज देशभर में पंचायतों के स्तर पर चुने गये लाखों प्रतिनिधि अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, जितनी सुचारु तरीके से वह व्यवस्था बननी चाहिए, आमजन की भागीदारी होनी चाहिए, वैसी नहीं हो पा रही है। धन के अभाव और अत्यधिक सरकारी दखल जैसी समस्याएं भी है। हमारे यहां शासनतंत्र अभी औपनिवेशिक मानसिकता का है. हालांकि, इस दिशा में भी सुधार हो रहा है। मोदी सरकार ने सोचना शुरू किया कि 50 साल बाद का भारत कैसा होगा। इस सोच-विचार के साथ काम भी शुरू हुआ है। नयी शिक्षा नीति भविष्य के नये भारत के निर्माण की नींव है। पहली बार इस तरह की शिक्षा नीति आयी है। हर दिशा में सार्थक प्रयास हो रहे हैं। सामान्य जन में यह आकांक्षा का पैदा होना कि नया देश बनायेंगे, सकारात्मक बदलाव का संकेत हैं। जहां-जहां सरकार की नीतियों के कारण गलतियां हुई हैं. उन्हें सरकार सुधारे या नहीं, लेकिन लोगों ने सुधारना शुरू कर दिया है। फर्टिलाइजर और पेस्टिसाइड से हो रही उपज व शरीर को रहे नुकसान को देखते हुए खेती के तौर-तरीकों को बदलने लगे हैं। मौजूदा परिस्थितियों में युवाओं की सोच भी बदल रही है। कुल मिला कर कह सकते हैं कि यह नये आशावाद का जन्म है।

बेटियों का बराबरी का हक

आशुतोष चतुर्वेदी

भले देश कितनी ही प्रगति कर गया हो, लेकिन बेटे और बेटी की बराबरी के मामले में अब भी बहुत लोगों को संशय है। अक्सर पिता की अर्जित संपत्ति पुरुष उत्तराधिकारियों को हस्तांतरित कर दी जाती है और बेटियों को इससे वंचित कर दिया जाता है। भारतीय समाज में बेटियों का संपत्ति में हिस्सेदारी हमेशा से विवाद का विषय रहा है और इस पर समाज में भ्रम की स्थिति है। कहीं धारणा है कि बेटी को बेटे से कम अधिकार है तो कहीं धारणा यह है कि शादी के बाद बेटी को कोई अधिकार नहीं है। इसकी मुख्य वजह कानून की जानकारी का अभाव है। संपत्ति में बेटियों के अधिकार के संबंध में कानून स्पष्ट है। हाल में देश की सर्वोच्च अदालत ने पिता की संपत्ति के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है और स्थिति को एकदम स्पष्ट कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी व्यक्ति की बिना वसीयत के मौत हो जाने पर भी उसकी संपत्ति पर उसकी बेटी का बराबर अधिकार बनता है। अदालत के सामने सवाल था कि अगर मृत पिता की संपत्ति का कोई और कानूनी उत्तराधिकारी न हो और उसने अपनी वसीयत न बनवायी हो तो संपत्ति पर बेटी का अधिकार होगा या नहीं? अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अगर ऐसे व्यक्ति की संपत्ति खुद अर्जित की हुई है या पारिवारिक संपत्ति में विभाजन के बाद प्राप्त हुई है तो वह उत्तराधिकार के नियमों के तहत सौंपी जायेगी। ऐसे व्यक्ति की बेटी का उस संपत्ति पर अधिकार दूसरे उत्तराधिकारियों से पहले होगा। देश में जहां महिलाओं को विरासत के लिए बड़े पैमाने पर सामाजिक और कानूनी बाधाओं का सामना करना पड़ता है, यह एक अहम फैसला है। यह मुकदमा इसलिए भी महत्वपूर्ण था कि संबंधित व्यक्ति मरप्पा गौंदर की मृत्यु 1949 में हो गयी थी। उस वक्त तक हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम नहीं बना था। यह अधिनियम 1956 में बना। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि फैसला ऐसे मामलों पर भी लागू होगा, जिनमें संबंधित व्यक्ति की मृत्यु अधिनियम के बनने से पहले हो गयी हो। उक्त अधिनियम में बेटे और बेटी को बराबर का अधिकार है। किसी भी संपत्ति में जितना अधिकार बेटे को मिलता है उतना ही बेटी को मिलता है। बेटी की शादी हो जाने के आधार पर उन्हें पैतृक संपत्ति के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। भारतीय संविधान भी महिलाओं को समान अधिकार की गारंटी देता है। संविधान में राज्यों को महिलाओं और बच्चों के हित में विशेष प्रावधान बनाने का अधिकार भी दिया गया है ताकि महिलाओं को उनका हक मिले लेकिन इन सबके बावजूद महिलाओं की स्थिति अब भी मजबूत नहीं है। दरअसल, हमारी सामाजिक संरचना ऐसी है कि यह बात बच्चों के मन में बचपन से ही स्थापित कर दी जाती है कि लड़का लड़की से बेहतर है। परिवार और समाज का मुखिया पुरुष है और महिलाओं को उसकी व्यवस्था को पालन करना है। यह सही है कि परिस्थितियों में बड़ा बदलाव आया है, लेकिन अब भी ऐसे परिवार कम हैं, जिनमें बेटे और बेटी के बीच भेदभाव न होता हो। बाद में ये बातें सार्वजनिक जीवन में प्रकट होने लगती हैं।

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम करनेवाली संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूएन वीमेन द्वारा महिलाओं की प्रगति 2019-2020 बदलती दुनिया में परिवार विषय से तैयार रिपोर्ट में विश्वभर से आंकड़े एकत्र कर परिवारों की मौजूद परंपराओं, संस्कृति और मनोवृत्तियों का अध्ययन किया गया है। इसमें कहा गया है कि दुनियाभर में महिलाओं के वजूद और अधिकारों को नकारने का चलन है तथा यह परिवार की संस्कृति और मूल्यों को बचाने के नाम पर किया जाता है। हर पांच में से एक देश में लड़कियों को लड़कों के समान संपत्ति और विरासत के अधिकार नहीं हैं। लगभग 19 देशों में महिलाओं को पति का आदेश मानने की कानूनी बाध्यता है। विकासशील देशों में लगभग एक तिहाई विवाहित महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के बारे में खुद निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। हालांकि एक सकारात्मक बात यह सामने आयी कि दुनियाभर में विवाह की औसत उम्र कुछ बढ़ी है और बच्चों की जन्म दर कुछ कम हुई है। कामकाजी दुनिया में महिलाओं की मौजूदगी भी बढ़ी है और उनकी आर्थिक स्वायत्तता में थोड़ी बढ़ोतरी हुई है लेकिन पुरुषों के मुकाबले महिलाएं घरेलू कामकाज तीन गुना ज्यादा करती हैं और इसका उन्हें कोई श्रेय नहीं मिलता है। भारत में शिक्षा, कला-संस्कृति और तकनीक के क्षेत्र में महिलाओं की सफलता के बावजूद आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अन्य देशों के मुकाबले कमतर है। वजह स्पष्ट है कि उन्हें समान अवसर नहीं मिलते हैं। भारत सरकार के आंकड़ों के मुताबिक देश के कुल श्रम बल में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 25.5 फीसदी है। कुल कामकाजी महिलाओं में से लगभग 63 फीसदी खेती-बाड़ी के काम में लगी हैं। करियर बनाने का समय आने तक अधिकतर लड़कियों की शादी हो जाती है। विश्व बैंक के आकलन के अनुसार भारत में महिलाओं की नौकरियां छोड़ने की दर बहुत अधिक है तथा एक बार नौकरी छोड़ने के बाद ज्यादातर महिलाएं दोबारा नौकरी पर नहीं लौटती हैं कुछ अरसा पहले यूनेस्को की ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग रिपोर्ट में बताया गया था कि दुनियाभर में स्कूली किताबों में महिलाओं को कम स्थान दिया जाता है। साथ ही उन्हें कमतर पेशों में दिखाया जाता है जैसे पुरुष डॉक्टर की भूमिका में दिखाये जाते हैं तो महिलाएं हमेशा नर्स के रूप में नजर आती हैं।

स्वेटर पहनकर सोना हो सकता है खतरनाक

हो सकती है बेचैनी या घबराहट

सर्दियों के इस मौसम में खुद को गर्म रखने के लिए लोग ऊनी कपड़ों के बहुत सारे लेयर चढ़ा लेते हैं जिससे शरीर की गर्माहट बाहर ना जाए। ऊनी कपड़े दरअसल हीट कंडक्टर होते हैं जो शरीर से निकलने वाली गर्मी को लॉक कर देते हैं जिससे बॉडी गर्म रहती है। ऐसे में कई लोग रात के समय स्वेटर या ऊनी मोजे आदि पहनकर ही सोना पसंद करते हैं। लेकिन आपको बता दें कि आपकी ये छोटी सी गलती आपके सेहत को काफी नुकसान पहुचा सकती है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि रात में स्वेटर पहनकर सोने के क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि विंटर के मौसम में रक्तवाहिनियां सिकुड़ जाती हैं और जब हम ऊनी कपड़े पहनकर रजाई के अंदर सोते हैं तो अत्यधिक गर्मी से कभी-कभी बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर लो होने जैसी शिकायत हो सकती है। ऐसे में लापरवाही में बड़ा नुकसान हो सकता है। ऐसे में जब भी सोएं तो कॉटन के कपड़े ही पहनकर सोएं।

रेशैज या खुजली होना

अगर आप रात के समय ऊनी कपड़े पहनकर सोएंगे तो हो सकता है कि स्किन पर एलर्जी और खुजली की समस्या हो जाए। यह समस्या उन लोगों को अधिक होती है जिनकी स्किन ड्राई है। इससे आपकी स्किन पर दाने, चकत्ते, रैशेज हो सकते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि रात को सोने से पहले अपने पूरे शरीर पर बॉडी लोशन लगाएं और इसके बाद ही सोएं। अगर स्किन नम रहेगी तो एलर्जी की संभावना भी कम रहेगी।

हार्ट के मरीजों के लिए समस्या

अगर आप हार्ट की समस्या से जूझ रहे हैं तो बता दें कि रात में बिल्कुल ही ऊनी कपड़े पहनकर नहीं सोना चाहिए। इन कपड़ों के फाइबर सूती कपड़ों के फाइबर से मोटे होते हैं और इनमें छोटे-छोटे कई एयर पॉकेट्स बने होते हैं जो एक इंसुलेटर का काम करते हैं। सर्दियों में गर्माहट पाने के लिए हम जब रजाई या कंबल ओढ़ते हैं और साथ में ऊनी कपड़े भी पहन लेते हैं तो ऊनी कपड़ों के फाइबर हमारी शरीर की गरमी को लॉक कर देते हैं। ऐसे में ये दोनों गर्मी डायबिटीज के मरीजों और खासकर हार्ट के मरीजों के लिए खतरनाक बन सकता है।

बहुत जरूरी हो तो करें ये काम

विंटर में अगर बहुत ठंड लग रही है तो आप बेहतर होगा कि कॉटन या रेशम का कपड़ा पहने और इसके उपर कोई हल्का ऊनी कपड़ा पहनकर रात को सोएं। लेकिन ऐसा तभी करें जब बहुत अधिक ठंड हो।

कहानी — बुद्धिबल से पाई विजय

एक जंगल में हाथियों के समूह के साथ उनका मुखिया चतुर दंत रहता था। एक बार उस जंगल में कई साल तक पानी नहीं बरसा। अकाल की स्थिति निर्मित हो गई। चतुरदंत ने कुछ हाथियों को पानी की खोज में जंगल से बहार भेजा। उन्होंने आकर एक सरोवर के विषय में बताया। सभी हाथी अगले दिन वहां पहुंचे और जीभरकर पानी पिया, स्नान किया और दिनभर जलक्रीड़ा की। उस सरोवर के चारों ओर फैली घास पर खरगोश रहते थे। हाथियों के इधर-उधर आने-जाने से इनके पैरों के नीचे कई खरगोश दबकर मर गए। हाथियों के जाने के बाद खगोशों ने विचार किया कि यदि हाथी रोजाना यहां आएंगे तो हममें से कोई भी नहीं बचेगा। एक बुजुर्ग खरगोश ने सुझाव दिया कि हमारा एक साथी चंद्रमा का दूत बनकर हाथियों के राजा के पास जाकर भगवान चंद्रमा का सन्देश दे कि इस सरोवर के चारों ओर उसके परिजनों का निवास है, जिनके हाथियों के पैरों तले कुचले जाने की आशंका से उन्हें इसके पास न आने की आज्ञा दी जाती है। अगर हाथियों ने भगवान चन्द्रमा की बात नहीं मानी तो उनके क्रोध से हाथियों का विनाश हो जाएगा। लंबकर्ण नामक एक बुद्धिमान खरगोश ने चतुरदंत को यह संदेश दिया और प्रमाणस्वरूप तेजी से बहते सरोवर के जल में हिलते चंद्रमा को दिखाकर कहा- गौर से देखो। भगवान चन्द्रमा क्रोध से कांप रहे हैं? चतुरदंत ने भयभीत होकर हाथियों को उस सरोवर की ओर न जाने का आदेश दिया और नया जलस्रोत खोजने को कहा। सार यह है कि बाहुबल न होने पर बुद्धिबल से काम लेने से सफलता प्राप्त होती है।

हंसना मना है

दोस्त: तेरी बीवी ने तुझे घर से क्यों निकाला.? संजू: तेरे ही कहने पर उसे चेन गिफ्ट किया था, इसलिए निकाला... दोस्त: चेन चांदी की थी क्या? संजू: नहीं साइकिल की।

एक सिपाही ने मौका-ए-वारदात से थानेदार को फोन किया... जनाब, यहां एक औरत ने अपने पति को गोली मार दी। थानेदार :क्यों...? सिपाही: क्योंकि आदमी पोंछा मारे हुए फर्श पर चढ़ गया था... थानेदार : गिरफ्तार कर लिया औरत को...? सिपाही: नहीं साहब, अभी पोंछा सूखा नहीं है।

सुहागरात को पत्नी का घूंघट उठाकर रमेश रोमांटिक अंदाज में बोला... रमेश: हमै तुमाई आंखन में पूरौ शहर दीख रऔ है रमेश की पत्नी: देखियो, आगे बाले चौराहे पे मारो ब्वॉयफ्रेंड खड़ो है का...रमेश बेहोश।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

जो लोग कॉस्मेटिक, महिला के कपड़ों, फिल्म इंडस्ट्री, मीडिया, परफ्यूम, आयुर्वेदिक दवाइयों, टेक्नोलॉजी जैसे - मोबाइल, लैपटॉप और स्पोर्ट की कंपनियों से जुड़े हुए हैं। उन्हें लाभ होगा।

वृषभ

लग्न वालों की कुंडली में शुक्र ग्रह विपरीत राजयोग बनाएंगे। परिवार में कोई भी मांगलिक कार्य का आयोजन होने का योग बन रहा है। फरवरी माह धन के मामले में बहुत अच्छा जाने वाला है।

मिथुन

शुक्र की गति फरवरी महीने में आपके लिए बहुत भाग्यशाली साबित होने वाली है। शुक्र के मार्गी होने से मान-सम्मान दिलाने वाला होगा। इस दौरान आपके रहने के स्तर में पॉजिटिव बदलाव आएंगे।

कर्क

मानसिक और आर्थिक रूप से इस समय कर्क लग्न वालों को कुछ टेंशन रह सकती हैं। मां की सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए, यह शुक्र उनके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को सामने लाकर आपको परेशान कर सकता है।

सिंह

लग्न वालों के लिए शुक्र बिजनेस में अच्छे लाभ दिलाएंगे। इंपोर्ट-एक्सपोर्ट, सरकारी नौकरी एवं आईटी क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभ होगा। शेयर बाजार में सक्रियता फायदेमंद साबित हो सकती है।

कन्या

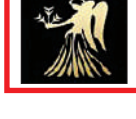

शुक्र ग्रह का मार्गी होना कन्या लग्न वालों के लिए बहुत अच्छा साबित होने वाला है। जो लोग बिजनेस करते हैं उन्हें अच्छे लाभ मिलने के योग बनेंगे, क्योंकि इस दौरान भाग्य आपका हर क्षेत्र में साथ देगा।

तुला

शुक्र के धनु राशि में मार्गी होने से तुला लग्न वालों को मेहनत और यात्रा कराने वाला होगा। पेंडिंग कार्यों को पूरा करने के लिए समय उपयुक्त रहेगा। वैवाहिक जीवन में कुछ समस्या रहेगी यद्यपि नौकरी से जुड़े लोगों के लिए यह समय अच्छा रहने वाला है।

वृश्चिक

शुक्र के धनु राशि में मार्गी होने से वृश्चिक लग्न वालों को बहुत ही समझदारी से काम लेने की आवश्यकता पड़ेगी। फाइनेंशियल बजट को पूरी तरह से कंट्रोल करने की आवश्यकता है।

धनु

शुक्र के धनु राशि में विचरण के दौरान आप खुद को बहुत ही एनर्जेटिक महसूस करेंगे। बिजनेस से जुड़े हुए लोगों को लाभ होने के योग हैं। पार्टनरशिप के द्वारा भी आप अपना नया बिजनेस शुरू कर सकते हैं।

मकर

शुक्र का धनु राशि में ट्रांजिट मकर लग्न के लिए बहुत अच्छा साबित होने वाला है। विदेशी कंपनियों से जुड़े लोग या इंपोर्ट -एक्सपोर्ट का बिजनेस करने वाले को इस दौरान अच्छे लाभ मिलने की संभावनाएं रहेंगी।

कुम्भ

विद्यार्थियों को भी मनचाहे परिणाम मिलेंगे। इस समय कुंभ लग्न के लोगों को भरपूर फायदा उठाना चाहिए। आपके घर में बहुत खुशी का माहौल रहने वाला है। फरवरी महीने में आप कोई भूमि या वाहन भी खरीद सकते हैं।

मीन

आपके द्वारा की गई यात्राओं के परिणाम आपकी इच्छाओं के अनुरूप नहीं रहेंगे। जिसके कारण अपने भीतर मानसिक रूप से परेशानी महसूस कर सकते हैं। कर्मक्षेत्र में भी माहौल अच्छा नहीं रहने वाला है।

बॉलीवुड | मन की बात

हिंदी में गालियां देने के लिए करनी पड़ी बहुत मेहनत : आमना शरीफ

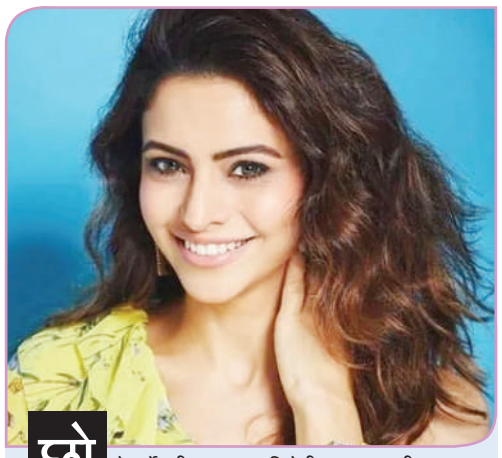

छोटे पर्दे की मशहूर अभिनेत्री आमना शरीफ जल्द डिजिटल दुनिया में अपनी एक्टिंग की शुरुआत करने वाली हैं। वह ओटीटी प्लेटफॉर्म हंगामा प्ले की वेब सीरीज डैमेज्ड के सीजन 3 में नजर आने वाली हैं। इस वेबसीरीज से आमना शरीफ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करेंगे। वेब सीरीज डैमेज्ड के लिए उन्हें काफी मेहनत करनी पड़ी है। इस सीरीज में आमना शरीफ एक लेडी पुलिस ऑफिसर की भूमिका अदा कर रही हैं। इस किरदार को करने के लिए उन्हें न कवेल बंदूक चलाना सिखाना पड़ा, बल्कि पुलिस ऑफिस की तरह भाषा भी सिखनी पड़ी है। अपने किरदार को वास्तविक बनाने के लिए वेब सीरीज डैमेज्ड तीन में आमना शरीफ ने गालियों का भी इस्तेमाल किया है, जिसके लिए उन्हें बाकायदा हिंदी में गालियां देने के लिए वर्कशॉप लेनी पड़ी थी। इस बात का खुलासा खुद आमना शरीफ ने किया है। आमना शरीफ ने कहा, मैं किरदार को पूरी तरह खुद में उतार लेना चाहती थी और इसके लिए मैंने अपने डायरेक्टर के साथ कुछ वर्कशॉप कीं और खुद के ऊपर भी काफी काम किया। आमना शरीफ ने यह भी बताया है कि वेब सीरीज डैमेज्ड 3 के शूटिंग से 10 दिन पहले उन्होंने अपने करीबियों और लोगों से दूरी बना ली थी। अभिनेत्री ने कहा, मेरा किरदार न केवल एक सख्त पुलिस वाला है, बल्कि इसमें ग्रे शेड्स भी हैं। मैंने पुलिस ऑफिसर्स के बहुत सारे इंटरव्यू और डॉक्यूमेंट्री फिल्में देखीं। मैंने उनका तौर तरीका, उनकी बॉडी लैंग्वेज और वह कैसे माहौल में कैसा बर्ताव करते हैं यह सब सीखा। मेरे ऐसे बहुत सारे सीन हैं जिनमें मैंने बंदूक इस्तेमाल की है जो कि मैंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी यूज नहीं की। आमना शरीफ ने कहा, मेरे निर्देशक विक्रांत सर ने मुझे शूटिंग के पहले एक बंदूक दी थी जिसे मैं घर पर अपने साथ रखा करती थी। उन्होंने कहा कि प्रैक्टिस करो।

पत्रलेखा की हॉट तस्वीर शेयर कर ट्रोल हुए राजकुमार राव

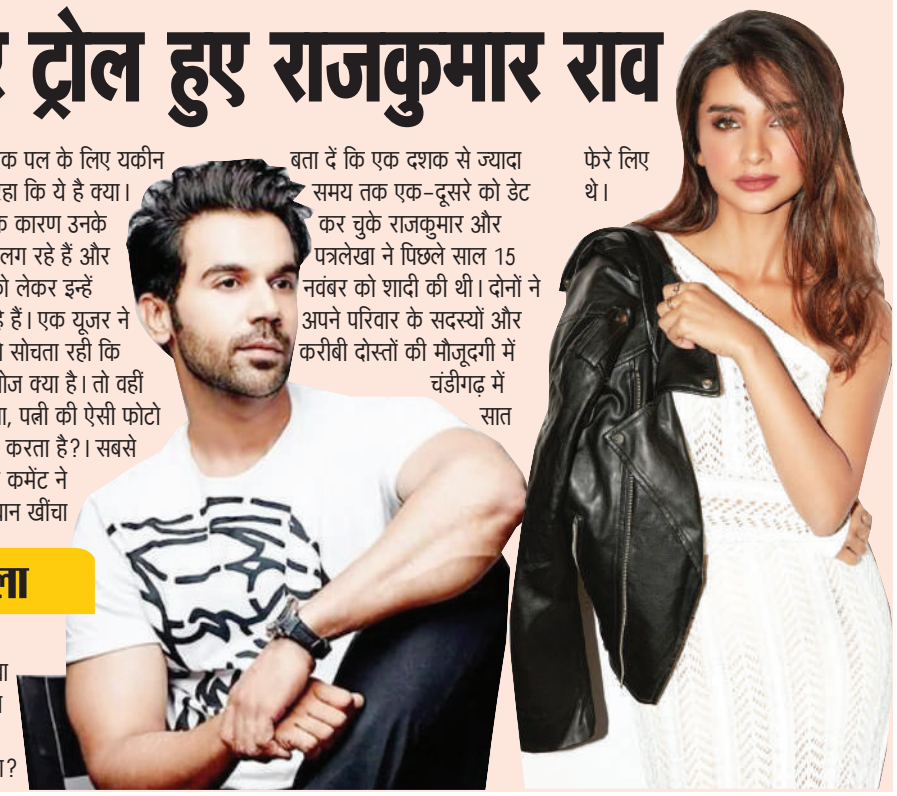

राजकुमार राव और पत्रलेखा बॉलीवुड के नए नवेले जोड़ों में से एक है। दोनों सोशल मीडिया पर अपनी लव केमिस्ट्री से आग लगाते हैं। राजकुमार राव ने इंस्टाग्राम पर अपनी पत्नी की खींची हुई एक हॉट तस्वीर शेयर की। इसमें पत्रलेखा मिरर सेल्फी के लिए पोज करती हुईं नजर आईं। इस तस्वीर में ना चाहते हुए भी कुछ ऐसा दिख गया जिसके बाद लोगों ने इस कपल को ट्रोल करना शुरू कर दिया। राजकुमार राव ने जब अपनी पत्नी का सरेआम मजाक उड़ता हुआ देखा तो इस तस्वीर को सोशल मीडिया पेज से हटा दिया। अपनी मिरर सेल्फी में पत्रलेखा को ब्लैक बूट्स के साथ व्हाइट शर्ट ड्रेस पहना है। राजकुमार को लाल और काले रंग की चेक शर्ट पहने हुए मिरर सेल्फी क्लिक करते हुए अपनी वाइफ को प्रेम को प्यार से निहारते हुए देखा जा सकता है। पर तस्वीर क्लिक करते वक्त राजकुमार ने कुछ खास मिस कर दिया, जो बाद में फैंस ने नोटिस किया और लग गए कमेंट सेक्शन में सवाल पूछने। दरअसल, पत्रलेखा की ये मिरर सेल्फी देख लोगों को अपनी आंखों पर एक पल के लिए यकीन नहीं हो पा रहा कि ये है क्या। मिरर होने के कारण उनके फैर अजीब लग रहे हैं और लोग इसी को लेकर इन्हें ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, मैं तो सोचता रही कि आखिर ये पोज क्या है। तो वहीं एक ने लिखा, पत्नी की ऐसी फोटो कौन क्लिक करता है?। सबसे मजेदार एक कमेंट ने लोगों का ध्यान खींचा जिसमें लिखा था, पत्रलेखा ने डायपर पहना है क्या?

बॉलीवुड | मसाला

बता दें कि एक दशक से ज्यादा समय तक एक-दूसरे को डेट कर चुके राजकुमार और पत्रलेखा ने पिछले साल 15 नवंबर को शादी की थी। दोनों ने अपने परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में चंडीगढ़ में सात फेरे लिए थे।

सूरज नाम्बियार और मौनी राय के फोटो पर दोस्तों ने लुटाया प्यार

टीवी और बॉलीवुड में अपना जलवा बिखेरने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय, सूरज नाम्बियार संग शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार हैं। मौनी के वेडिंग फंक्शन्स गोवा में जारी हैं, जिनके फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। मौनी की शादी में खास दोस्त और रिश्तेदार शामिल हैं। मौनी की हल्दी- मेहंदी के कई फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए, इसके बाद अब मौनी ने खुद सूरज संग एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में कपल के बीच का प्यार साफ झलक रहा है और एक्ट्रेस ने एक प्यारा कैप्शन भी लिखा है। मौनी- सूरज की तस्वीर वायरल हो रही है। दरअसल मौनी रॉय ने सूरज संग एक रोमांटिक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की। तस्वीर में मौनी लाल ड्रेस में नजर आ रही हैं, जबकि सूरज ने सफेद कुर्ता पहना है। मौनी ने सूरज को गले लगाया हुआ है और दोनों मुस्कुरा रहे हैं। वहीं मौनी ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा-सबकुछ? नमः शिवायः मौनी रॉय का ये पोस्ट वायरल हो गया है। फैन्स के साथ ही साथ कई सितारों ने भी तस्वीर पर प्यार लुटाया है। मंदिरा बेदी, मानवी गगरू, मोनालिसा, प्रज्ञा कपूर, जिया मुस्तफा, दिशा परमार, अदा खान, हर्ष, चारू असोपा, मीत ब्रदर्स, मृणाल ठाकुर और रोशनी चोपड़ा सहित कई सितारों ने तस्वीर पर कमेंट किया है। फोटो पर अभी तक लाखों लाइक्स आ चुके हैं।

अजब-गजब | वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

यहां बिना डीजल और पेट्रोल के चलते हैं वाहन

पूरी दुनिया रहस्यमयी चीजों से भरी पड़ी है। इनमें से कुछ भारत में भी मौजूद हैं। कुछ जगहों पर ऐसी अलग अलग घटनाएं होती हैं जो आपको चौंका देंगी। आज हम आपको ऐसी ही एक जगह के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में शायद ही आपने कभी सुना होगा। क्योंकि इस स्थान पर वाहन बिना पेट्रोल या डीजल के चलने लगते हैं। ये स्थान भारत में ही मौजूद है।

दरअसल, हम बात कर रहे हैं अपने ही देश में मौजूद एक पहाड़ी इलाके की, जंहा बिना पेट्रोल-डीजल के गाड़ियां चलती हैं। ये पहाड़ी है लद्दाख के लेह क्षेत्र की। जिसे बहुत ही रहस्यमयी माना जाता है। कहा जाता है कि यहां गाड़ी अपने आप चलती है। यदि कोई अपनी गाड़ी इस जगह पर खड़ी कर दें तो उसे अपनी वो गाड़ी नहीं मिलेगी। ये कैसे होता है, यह रहस्य का अभी तक कोई पता नहीं लगा पाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस पहाड़ी में चुंबकीय शक्ति है, जो गाड़ियों को करीब 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपनी ओर खींच लेती है। इसलिए इसे मैग्नेटिक हिल कहा जाता है।

इस पहाड़ी पर चुंबकीय प्रभाव इतना ज्यादा है कि इसके ऊपर से उड़ने वाले जहाज भी इससे बच नहीं पाते हैं। खबरों के मुताबिक, कई पायलट इस बातस का दावा कर चुके हैं कि यहां से उड़ान भरते वक्त बहुत बार प्लेन में झटके महसूस किए गए हैं इसलिए उन्हें अक्सर चुंबकीय शक्ति से बचने के लिए अपने जहाज की रफ्तार को तेज करना पड़ता है।

इस मैग्नेटिक हिल को ग्रैविटी हिल के नाम से भी पुकारा जाता है। ऐसा मानना है कि इस पहाड़ी पर गुरुत्वाकर्षण का नियम फेल हो जाता है। गुरुत्वाकर्षण के नियम के मुताबिक अगर हम किसी वस्तु को ढलान पर छोड़ दें तो वो नीचे की तरफ लुढ़केगी, लेकिन चुंबकीय पहाड़ी पर इसके विपरीत होता है।

100 रुपए में शख्स ने खरीदा था कबाड़ प्लेन, अब उससे हो रही करोड़ों की कमाई

हर व्यक्ति का प्लेन में बैठने का सपना होता है। प्लेन में सफर करने का सपना तो व्यक्ति पूरा कर सकता है लेकिन प्लेन खरीदना हर किसी के बस की बात नहीं। हालांकि एक शख्स ने कबाड़ हो चुके प्लेन को बहुत सस्ते में खरीदा और इसी कबाड़ प्लेन की वजह से वह शख्स करोड़पति बन गया है। ब्रिटेन में एक शख्स ने ब्रिटिश एयरवेज के जेट जेट 747 को मात्र सौ रुपये में खरीदा था। अब इसी प्लेन से वह लाखों रुपए किराया वसूल रहा है। दरअसल, उस शख्स ने कबाड़ हो चुके इस प्लेन को दुनिया का सबसे पहला प्लेन पार्टी आयोजित करने वाला लैविश प्लेन बार बना दिया। अब ब्रिटिश एयरवेज के इस पार्टी प्लेन को इंग्लैंड के प्राइवेट एयरपोर्ट कोट्सवोल्ड्स में लगाया हुआ है। यहां इसे पार्टी के लिए किराये पर दिया जा रहा है। शख्स ने इसे मात्र एक यूरो यानी करीब 100 रुपए में खरीदा था। इसके बाद इसके ट्रांसफॉर्मेशन पर काम कर इसे अंदर से आलीशान लुक दिया गया। अब इसे पार्टी के लिए उपलब्ध कराया जाता है और लाखों रुपए किराया लिया जाता है। इसे पार्टी प्लेन नाम दिया गया है। पार्टी करने के लिए रईस लोग इसे किराये पर लेते हैं। इस प्लेन में पार्टी करने के लिए एक घंटे का किराया एक लाख रुपए है। ब्रिटिश एयरवेज के इस प्लेन को कोरोना काल में रिटायर कर दिया गया था। इसके बाद इसे वर्ष 2020 में बेचा गया। इसे एयरपोर्ट के चीफ एग्जीक्यूटिव सुजन्नाह हार्वे ने खरीदा। इसके बाद इसका रिनोवेशन किया गया। इसके रिनोवेशन पर करीब 5 करोड़ रुपए खर्च किए गए। अब इसमें कई तरह की पार्टियां होती है। इसमें बर्थडे से लेकर कॉर्पोरेट और प्रॉडक्ट लॉन्च पार्टी भी शामिल हैं। इस प्लेन में जाते ही पार्टी का मूड बन जाता है। इसके अंदर बार तक है। इसके अलावा बैठने के लिए आरामदायक चेयर्स, एम्बीएंस और सारा माहौल शानदार है। प्लेन के अंदर लाइट्स के जरिए यहां माहौल रंगीन बनाया जाता है। बता दें कि इस प्लेन को ब्रिटिश एयरवेज ने 15 फरवरी 1994 में शामिल किया गया था। इस प्लेन ने रिटायर होने तक करीब 13 हजार 3 सौ 98 उड़ानें भरी। इस प्लेन की आखिरी उड़ान 6 अप्रैल 2020 थी। इसके बाद इसे रिटायर कर दिया गया।

प्रदेश में अगले दो दिन कड़ाके की ठंड, शीतलहर की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेशवासियों को अभी कड़ाके की ठंड से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक शीतलहर और अत्यधिक ठंडे दिनों की चेतावनी जारी की है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में घना कोहरा रहेगा। हालांकि राजधानी में आज धूप खिलने से लोगों को कुछ राहत मिली लेकिन गलन बरकरार है।

पूरे प्रदेश में अगले दो से तीन दिन तक मौसम शुष्क रहेगा और अधिकतम तथा न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। गुरुवार को शहर का अधिकतम तापमान सामान्य से 7.8 डिग्री की कमी के साथ 16.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.1 डिग्री की कमी के साथ 05.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ठंडे दिन की स्थिति और सुबह के समय घना कोहरा रहा। प्रदेश में सबसे कम तापमान फतेहगढ़ में 3.4 डिग्री सेल्सियस, कानपुर में 4.2 डिग्री सेल्सियस और अलीगढ़ में 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, अधिकतम तापमान फतेहगढ़ में 20.6 डिग्री सेल्सियस, झांसी में 20.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार शहर का मौसम शुष्क रहेगा। सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरा, अधिकतम तापमान 18.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 5.0 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। आगामी दो दिनों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की बढ़त देखी जा सकती है। शहर का एक्यूआई 150 दर्ज किया गया। लखनऊ में आज धूप खिलने से लोगों को कुछ राहत मिली।

» राजधानी में खिली धूप से मिली राहत, कई जिलों में छाया रहेगा कोहरा

» तापमान में गिरावट जारी प्रदेश में सबसे कम तापमान फतेहगढ़ का

राहुल का ऐलान, पंजाब में कांग्रेस घोषित करेगी सीएम चेहरा

» कार्यकर्ताओं की सलाह के बाद लिया जाएगा फैसला

» सिद्धू के पंजाब मॉडल पर भी बोले कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। राहुल गांधी ने गुरुवार को जालंधर में साफ कर दिया है कि कार्यकर्ताओं की सलाह के बाद पंजाब में कांग्रेस सीएम चेहरा घोषित करेगी। सिद्धू व चन्नी दोनों ने सीएम का चेहरा घोषित करने की मांग की है। दोनों ने अपनी-अपनी बात वर्चुअल रैली में भी रखी है।

राहुल ने कहा कि यह तो साफ है कि पंजाब में दो व्यक्ति नेतृत्व नहीं कर सकते, एक ही करेगा। जो भी नेतृत्व करेगा, दूसरा व्यक्ति कसम खाकर पूरी शक्ति उसकी मदद करने में लगा देगा। मुझे खुशी है कि दोनों के दिल में कांग्रेस की सोच है। कांग्रेस की विचारधारा में हम सब एक हैं। जैसे पंजाब पांच नदियों का सूबा है। पांच नदियां एक नदी से आती हैं और समुद्र में मिल जाती हैं। उसी तरह कांग्रेस में भी सभी विचारों का समावेश है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी या कार्यकर्ता चाहते हैं और पंजाब चाहता है तो हम सीएम चेहरे का फैसला लेंगे लेकिन अपने कार्यकर्ताओं से पूछकर। जो सही व्यक्ति होगा, वह पंजाब को आगे ले जाएगा। दूसरे सब लोग एक टीम की तरह जंग लड़ेंगे। राहुल ने सिद्धू के पंजाब मॉडल को अपने भाषण में पूरा स्थान दिया। राहुल ने नोटबंदी, किसानी बिल, जीएसटी पर केंद्र सरकार पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसान व मजदूर बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने काले कृषि कानूनों को वापस करवाया। आज हिंदुस्तान का गरीब दर्द से कराह रहा है और महंगाई का सारा बोझ उनके कंधों पर रख दिया है। उन्होंने कहा कि आपका पैसा है, शराब, खनन, परिवहन व केबल टीवी से हजारों करोड़ों रुपये की आमदनी है, जो पंजाब की जनता तक नहीं पहुंचती। हमने शुरूआत की है, हमें चारों क्षेत्रों में क्रांति चाहिए। जनता का धन आम लोगों के पास पहुंचेगा। चारों सेक्टर से जो पैसा मिलेगा, पंजाब की तरक्की पर लगेगा। पंजाब में सबसे जरूरी शांति व भाईचारा है। कांग्रेस पार्टी सिर्फ एक राजनीतिक दल है, जो आप सबकी पार्टी है। आप सब हमारे हो, हजारों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने खून दिया है। कुछ भी हो जाए कांग्रेस पार्टी पंजाब को टूटने नहीं देगी। राहुल ने कहा कि महिलाओं के लिए घोषणा पत्र में स्थान जरूर होना चाहिए।

यूथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

मोहाली। विधान सभा हलका खरड़ में कांग्रेस की टिकट की घोषणा होने के साथ ही बगावत शुरू हो गई। इतना ही नहीं दो नेताओं समेत पूर्व मंत्री ने चुनाव मैदान में आजाद उतरने का फैसला लिया है। जिससे कांग्रेस प्रत्याशी के लिए राह थोड़ी मुश्किल गई है। इनमें पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता जगमोहन सिंह कंग एवं यूथ प्रदेश उपाध्यक्ष जसविंदर सिंह गिल शामिल हैं। प्रत्याशी की घोषणा के बाद से ही कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता एवं तीन बार मंत्री रह चुके जगमोहन सिंह कंग ने पार्टी के खिलाफ बगावत कर दी है। वह इस बार खरड़ विधान सभा से अपने बेटे यादवेंद्र सिंह कंग को चुनाव लड़ाना चाहते थे। जगमोहन सिंह कंग ने प्रेसवार्ता कर मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी एवं पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी पर टिकट कटवाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि चरणजीत सिंह चन्नी खरड़ विधान सभा में रहते हैं। उनके विजय शर्मा टिंकू के साथ व्यापारिक संबंध हैं। जिस कारण मुख्यमंत्री ने उनका टिकट कटवाकर विजय शर्मा टिंकू को दी है। अगर पार्टी ने टिकट पर पुनर्विचार नहीं किया तो मेरा बेटा यादवेंद्र सिंह कंग खरड़ विधान सभा हलके से आजाद चुनाव लड़ेगा। वहीं, पार्टी के यूथ विंग के प्रदेश उपाध्यक्ष जसविंदर सिंह गिल ने भी टिकट के लिए दावेदारी ठोकी थी। टिकट न मिलने के बाद उन्होंने भी बगावत करते हुए उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है और आजाद चुनाव लड़ने की घोषणा की है।

चन्नी और सिद्धू ने पंजाब को लूटा : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सुखबीर सिंह बादल को भी लिया निशाने पर

» दोनों को परख लिया है पंजाब की जनता ने

अमृतसर। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, नवजोत सिंह सिद्धू और सुखबीर सिंह बादल पर एक साथ निशाना साधा और कहा कि पंजाब को इन्होंने लूटा और गालियां मुझे देते हैं।

उन्होंने कहा कि सच्चाई का रास्ता कांटों भरा है। जो सच्चाई पर चलता है, उसे गालियां सुननी ही पड़ती हैं। चन्नी, सिद्धू और सुखबीर बादल सभी मुझे गालियां देते हैं। इन्होंने पंजाब को 60 वर्षों तक लूटा है। उन्होंने बिक्रम मजीठिया और नवजोत सिंह सिद्धू पर हमला बोला और कहा कि पंजाब की जनता ने दोनों को परखकर देख लिया है। अमृतसर पूर्वी सीट पर नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ बिक्रम सिंह मजीठिया के चुनाव लड़ने पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दोनों बड़े राजनीतिक हाथी हैं, जिनके पैरों के नीचे जनता दब जाएगी। सिद्धू अपने हलके में जाते नहीं। वे किसी का फोन नहीं उठाते। किसी के सुख-दुख में काम नहीं आते। सिद्धू ने अपने हलके में कोई काम नहीं किया है। पूर्वी हलके से अपनी उम्मीदवार जीवनजोत के बारे में उन्होंने कहा कि वह आम महिला हैं, जो लोगों के बीच रहती हैं और जरूरतमंदों की मदद करती हैं। वहीं आप नेता भगवंत मान ने कहा है कि जिस तरह दिल्ली में पहली बार चुनाव लड़ते हुए अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस के दिग्गज नेता और तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को हराया था, उसी तरह पंजाब के लोग इस बार कांग्रेस-अकाली दल के दिग्गजों को सबक सिखाने के लिए आम आदमी पार्टी के साधारण उम्मीदवारों को जिताएंगे। आम आदमी पार्टी आम लोगों की पार्टी है।

मतदाता पर्ची पर नहीं दिखेगी फोटो, चुनाव आयोग ने किया बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इस बार के चुनाव में मतदाता पर्ची पर मतदाता का फोटो दिखाई नहीं देगा। पर्ची पर केवल नाम, पते के अलावा मतदेय स्थल क्रमांक होगा। चुनाव आयोग की तरफ से इसको लेकर आदेश जारी कर दिया गया है। जिला प्रशासन भी इसके हिसाब से तैयारियों में जुट गया है।

चुनाव आयोग ने पहले चरण के तहत 10 फरवरी को मतदान कराने की घोषणा की है। संबंधित जिलों में इसको लेकर प्रशासनिक तैयारियां चल रही हैं। नामांकन पत्रों की जांच पूरी हो चुकी है। आज नाम वापसी की प्रक्रिया भी पूरी हो जाएगी। चुनाव आयोग ने इस बार बिना फोटो के मतदाता सूची जारी करने के निर्देश दिए हैं। इसके पीछे कारण हैं कि अब तक चुनाव में मतदान पर्ची का प्रयोग केवल बूथ और मतदान संख्या जानने के लिए किया जाता है अन्य किसी भी उद्देश्य से इसका प्रयोग नहीं किया जा सकता है लेकिन मतदाता इसे मतदाता पहचान पत्र के रूप में प्रयोग करते थे। इसको लेकर बूथों पर काफी हंगामा होता था। ऐसे में चुनाव आयोग ने इस बार बिना फोटो के पर्ची का प्रयोग करने के निर्देश दिए हैं। इस बार जिला प्रशासन की तरफ से दी जाने वाली पर्ची में केवल मतदाता का नाम, पिता का नाम, पता, पोलिंग बूथ का नाम होगा।

तो जाटों की नाराजगी दूर कर पायेंगे शाह!

पर्चा बांटने निकले तो लगे जयंत चौधरी के पक्ष में नारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिमी यूपी में भाजपा से नाराज जाटों कों मनाने के लिए सारे जतन किए जा रहे हैं। जाटों को मनाने की जिम्मेदारी खुद गृहमंत्री अमित शाह ने संभाल ली है। अमित शाह ने चुनाव के चलते जाट नेताओं के साथ बैठक की तो भाजपा ने जयंत चौधरी के लिए दरवाजे खुले रखने के संकेत दिए। ऐसे में सवाल यह है कि क्या किसानों को दंगाई बताने वाली भाजपा चुनाव जीतने के लिए जाटों का इस्तेमाल करना चाहती है। ये बातें निकलकर सामने आई किसान नेता पुष्पेंद्र सिंह, भाजपा नेता नरेश सिरोही, वरिष्ठ पत्रकार अरूणा सिंह और अभिषेक कुमार के साथ लंबी परिचर्चा में।

अरूणा सिंह ने कहा किसान आंदोलन भाजपा के लिए सिरदर्द है। हिंदू-मुस्लिम की राजनीति जाट बिरादरी में नहीं चलती है। वायरल वीडियो में विधायकों को क्षेत्रों में भगाया जा रहा तो शाह ने जिम्मेदारी संभाली। पर्चे बांटकर सहानभूति के सहारे अपनी पैठ बनाना चाहते हैं मगर शाह के सामने ही जयंत चौधरी जिंदाबाद के नारे लगे और बीजेपी मुर्दाबाद के नारे लगाए गए।

पुष्पेंद्र सिंह ने कहा 2019 में जाटों के सहारे भाजपा लोकसभा चुनाव जीती। मगर इस विधान सभा चुनाव में उनमें भारी नाराजगी है। इसका फायदा गठबंधन को मिल सकता है।

नरेश सिरोही ने कहा कि भाजपा के लोग भले लोग हैं, पिछले चुनाव में पश्चिमी यूपी में समर्थन भी मिला। इससे पहले भी मिला। चौधरी चरण सिंह भी भाजपा की नीतियां जानते थे मगर अब जाट कहीं न कहीं बिखर गए हैं। 2014 के बाद से तब्दीली शुरू हुई है, बीजेपी लगातार उसमें सुधार भी कर रही है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अखिलेश करहल में 31 को करेंगे अपना नामांकन

सपा के अन्य तीन प्रत्याशी भी भरेंगे पर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वह 31 जनवरी को कलक्ट्रेट पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। सपा के अन्य प्रत्याशी भी अखिलेश यादव के साथ ही नामांकन दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं। करहल विधानसभा सीट से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। उनके नाम की घोषणा के बाद से ही सियासी माहौल गर्म है।

नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, ऐसे में सपा कार्यकर्ताओं को अखिलेश यादव के नामांकन का इंतजार है। इसी बीच सपा की ओर से जारी बयान से स्थिति साफ हो गई है। इसके अनुसार अखिलेश यादव 31 जनवरी को कलक्ट्रेट पहुंचकर नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। उनके साथ अन्य तीन सपा प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल करने की तैयारी भी चल रही है। सपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने बताया कि 31 जनवरी को सपा अध्यक्ष नामांकन दाखिल करेंगे। अन्य प्रत्याशियों के सवाल पर उन्होंने कहा कि परिस्थिति के अनुसार अन्य प्रत्याशी पहले या राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ नामांकन दाखिल करेंगे।

अखिलेश करेंगे पश्चिम को साधने की कोशिश

अखिलेश और जयंत आज वेस्ट यूपी को साधने की कोशिश करेंगे। भाईचारे का संदेश देंगे। भाजपा पर पलटवार करेंगे। दरअसल, वेस्ट यूपी में भाजपा नेता ताबड़तोड़ दौरे कर रहे हैं, दोनों नेता उसी का जवाब देने की कोशिश में हैं। इससे पहले सात दिसंबर 2021 को दोनों नेता सिवालखास विधानसभा क्षेत्र के दबथुवा में संयुक्त रैली की थी। अखिलेश थोड़ी ही देर में जयंत से मुलाकात करेंगे।

सपा विधायक इकराम कुरैशी कांग्रेस में शामिल

मुरादाबाद। मुरादाबाद देहात सीट पर भी सपा विधायक ने पार्टी का साथ छोड़कर कांग्रेस का हाथ थाम लिया। अब वह कांग्रेस के सिंबल पर मुरादाबाद देहात से चुनाव लड़ेंगे। उनके भतीजे भी कांग्रेस से नगर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी है। इकराम कुरैशी के मैदान में उतरने के बाद मुकाबला अब चतुष्कोणीय हो गया है। अब सभी पार्टियों के प्रत्याशी लगभग घोषित हो चुके हैं, लेकिन नामांकन होना शेष है। मुरादाबाद में सपा ने देहात विधानसभा क्षेत्र से विधायक हाजी इकराम-कुरैशी और कुंदरकी से विधायक मुहम्मद रिजवान का टिकट का दिया था। टिकट काटने के बाद मुहम्मद रिजवान ने पार्टी छोड़ने का एलान कर दिया था। बसपा ने अपने पूर्व में घोषित प्रत्याशी का नाम काटकर मुहम्मद रिजवान को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया था।

बीजेपी प्रत्याशी के सामने लगे जयंत चौधरी जिंदाबाद के नारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» खतौली सीट पर भारी विरोध

» सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

लखनऊ। प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर की खतौली विधानसभा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी विक्रम सैनी के विरोध का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। आज एक बार फिर से विक्रम सैनी के विरोध का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल है। वीडियो में देखा जा सकता है कि विक्रम सैनी अपनी विधानसभा सीट के भैसी गांव में प्रचार करने के लिए पहुंचे थे, यहां के ग्रामीणों ने उनका जमकर विरोध किया। उन्होंने विक्रम सैनी मुर्दाबाद और जयंत चौधरी जिन्दाबाद के नारे लगाए। आपको बता दें कि विरोध के समय की ये वीडियो ग्रामीणों द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल कर दी गई है।

हालांकि इस वायरल वीडियो में विरोध के समय बीजेपी प्रत्याशी विक्रम सैनी की गाड़ी तो जरूर वहां दिखाई दे रही है, लेकिन विक्रम सैनी नहीं। बताया जा रहा है कि वह उस समय एक घर में बैठे हुए थे। इस वायरल वीडियो में सुनाई पड़ रहा है कि विक्रम सैनी ने किसान आंदोलन के दौरान किसानों को आतंकवादी बताया था, तो शायद उसी के चलते विक्रम सैनी को इस विरोध का सामना करना पड़ा है। गौरतलब है कि इसी महीने चुनाव प्रचार करने के लिए विक्रम सैनी अपने विधानसभा क्षेत्र के मुनव्वरपुर गांव पहुंचे थे जहां लोगों ने उन्हें खदेड़ कर भगा दिया था। तब सैनी एक मीटिंग में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे लेकिन इसी दौरान किसी बात को लेकर ग्रामीणों ने विक्रम सैनी के साथ अभद्रता करते हुए उन्हें गांव से खदेड़ दिया।

मनोहर परिंकर के बेटे उत्पल भाजपा से नाराज, निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव

» पूर्व सीएम परिंकर के बेटे ने पणजी से भरा पर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गोवा के पूर्व सीएम दिवंगत मनोहर परिंकर के बेटे उत्पल परिंकर ने पणजी विधानसभा सीट से पर्चा भर दिया है। उत्पल पणजी से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। कल पर्चा दाखिल करने से पहले उन्होंने मंदिर में पूजा अर्चना की।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं यहां भगवान का आशीर्वाद लेने आया हूं, मुझे आशा और पूरा विश्वास है कि पणजी के लोग मुझे अपना आशीर्वाद देंगे। मेरे पिताजी ने जो काम यहां किए थे वही काम मुझे यहां के लोगों के लिए करने हैं। पणजी की जनता यहां के भविष्य के लिए वोट करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा से मुझे बहुत उम्मीदें थी, मगर भाजपा के उच्च नेतृत्व ने हमें निराश किया। उन्होंने कहा मैं फिलहाल किसी भी पार्टी संगठन के लिए नहीं काम करूंगा। मुझे अपने पिता का सपना पूरा करना है, इसलिए मैं निर्दलीय चुनाव लडूंगा। उन्होंने कहा जनता का समर्थन मेरे साथ है, मुझे भाजपा की जरूरत नहीं है।

सपा में वापसी कर सकते हैं राज बब्बर!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» यूपी में कांग्रेस को लगने जा रहा फिर झटका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव से पहले दल-बदल की सियासत जारी है। हर पार्टी अपना खेमा मजबूत करने में जुटी है और ऐसे में नेता भी अपने लिए बेहतर मौका खोज रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह के बीजेपी में जाने के बाद कानपुर और फतेहपुर की राजनीति में प्रभाव रखने वाले पूर्व सांसद राकेश सचान ने कांग्रेस को छोड़ भाजपा में शामिल हो गए हैं। अब चर्चा है कि कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में एक और बड़ा झटका लगने जा रहा है।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और अभिनेता राज बब्बर एक बार फिर समाजवादी पार्टी में शामिल होने की अटकलें हैं। बताया जा रहा है कि जल्द ही सपा में घर वापसी करेंगे। दरअसल, कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और अभिनेता राज बब्बर के सपा में आने की चर्चा तब तेज हो गई जब सपा के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने सोशल मीडिया एप कू पर एक पोस्ट कर दिया। उन्होंने पर इशारा करते हुए लिखा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व समाजवादी नेता, अभिनेता जल्दी ही समाजवादी होंगे। प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने जो तीन शब्दों में इशारे किए हैं वे सभी राज बब्बर की ओर इंगित कर रहे हैं। ऐसे में राज बब्बर के सपा में शामिल होने की सियासी चर्चाएं तेज हो गई हैं। राज बब्बर कांग्रेस में 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही वह साइडलाइन चल रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और अभिनेता राज बब्बर ने राजनीतिक करियर की शुरुआत जनता दल से की थी। फिर वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। 1994 में सपा ने उन्हें राज्यसभा भेजा गया। 2004 में सपा के टिकट पर ही जीतकर पहली बार लोकसभा पहुंचे।

बजट से पहले भाजपा को घेरने की विपक्ष ने बनाई रणनीति

» राज्य सभा में विभिन्न दलों के नेताओं की वर्चुअल बैठक 31 को

» सरकार को घेरने की रणनीति पर कांग्रेस का मंथन आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के मद्देनजर 31 जनवरी की शाम पांच बजे राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू की अध्यक्षता में विभिन्न दलों के सदन में नेताओं की बैठक आयोजित होगी। सूत्रों के मुताबिक कोरोना महामारी के मद्देनजर इस बैठक का आयोजन वर्चुअल माध्यम से होगा। उपराष्ट्रपति नायडू खुद भी कोरोना संक्रमण से उबर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संसद के बजट सत्र में पार्टी की रणनीति तय करने के लिए बैठक करेंगे।

मालूम हो कि बजट सत्र 31 जनवरी से ही शुरू होगा और उसी दिन राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के संयुक्त संबोधन के बाद आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। अगले दिन अर्थात एक फरवरी को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आम बजट पेश करेंगी। बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी से 11 फरवरी तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 14 मार्च से शुरू होकर आठ अप्रैल तक चलेगा। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संसद के बजट सत्र को लेकर वर्चुअल बैठक करेंगे। सूत्रों का कहना है कि बजट सत्र में पार्टी की रणनीति तय करने के लिए यह बैठक बुलाई गई है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में पार्टी का संसदीय रणनीति समूह आगामी सत्र के दौरान अपनी रणनीति पर चर्चा करेगा।

बजट से पहले इस बार हलवा की जगह मिठाई

आगामी मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पूरी तरह से पेपरलेस बजट पेश करेंगी। बजट छपाई का काम नहीं होने से इस बार बजट तैयार करने वाले कर्मचारियों के लिए हलवा रस्म का आयोजन भी नहीं किया जाएगा। वित्त मंत्रालय के मुताबिक हलवा की जगह इन कर्मचारियों को मिठाई खिलाई गई। संसद में बजट पेश होने के बाद पूरा बजट यूनियन बजट नामक मोबाइल एप पर उपलब्ध होगा। इस एप को यूनियन बजट की साइट या वित्त मंत्रालय की साइट पर जाकर डाउनलोड किया जा सकता है। यह एप अंग्रेजी के साथ हिन्दी में भी उपलब्ध होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।